Une Gazette of India

ग्रसाधाररा

EXTRAORDINARY

भाग I—क्व 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 178] नई विल्ली, संगलवार, नवस्वर 11, 1969/कॉर्तिक 20, 1891 No. 178] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 11, 1969/KARTIKA 20, 1891

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th November 1969

No. 3/16/69-Pub.II.—The President has learnt with deep regret of the death at 0010 hours on 9th November, 1969 of Dr. Palathinkal Varkey Cherian, Governor of Maharashtra.

Dr. Cherian had rendered distinguished service to the country in various spheres and won the esteem and affection of one and all. He was an outstanding surgeon, an eminent educationist, a capable administrator and an efficient and popular Governor.

Born on 9th July 1893 of a well-known family from Alleppy in Kerala, Dr. Cherian graduated from the Madras Medical College. He served in the Indian Army from 1918 to 1922 and later specialised in ear, nose and throat diseases at London, Glasgow, Edinburg and Vienna. On his return to India in 1927 he joined the Madras Medical College and had a distinguished career as a member of the medical profession. He was a member of the Madras University Syndicate and the Vice-Chancellor of Annamalai University.

On retirement in 1948 he became the Mayor of Madras and later for 12 years from 1952 he was the Chairman of the Madras Legislative Council. He was appointed as the Governor of Maharashtra on 14th November, 1964.

Dr. Cherian was the holder of an important papal honour, the Knight of St. Gregory the Great. He was a man of wide culture, varied interests and rare social gift and charm. In his death, the country has suffered an irreparable loss.

L. P. SINGH, Secy.

गृह मंत्रालय

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1969

सं० 3/1669—पश्लिक () :—-राष्ट्रपित को यह समाचार पाकर गहरा दु:ख हुग्रा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल डा० -लिथिम्ल वर्षे चेरीयन का 9 नवम्बर, 1969 को 00-10 बजे देहावसान हो गया ।

डा० चेरीयन ने विभिन्न क्षेत्रों में देश की विशिष्ट सेवा की थी भ्रीर सभी से उनको श्रद्धा भ्रीर प्रेम प्राप्त हुन्ना था । वे श्रेष्ट सर्जन, प्रसिद्ध शिक्षाणास्त्री, सुयोग्य प्रशासक भ्रीर कुशल तथा लोकप्रिय राज्यपाल थे।

डा० चेरीयन का जन्म ग्रलेप्पी (केरल) के एक सुप्रसिद्ध परिवार में 9 जलाई, 1893 को हुआ था । उन्होंने मद्रास मेडिकल कालेज से उपाधि प्राप्त की तथा भारतीय सेना में सन् 1918 से लेकर 1922 तक सेवा की । बाद में लंदन, ग्लासगो, एडिनबरा ग्रीर वियाना में रह कर ग्रांख, नाक ग्रीर गले के रोगों में विशेषज्ञता प्राप्त की । सन् 1927 में भारत लौटने पर वे मद्रास मेडिकल कालेज में प्राघ्यापक बने । चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सक के रूप में उन्होंने विशिष्ट एवं सम्माननीय कार्य किया । वे मद्रास विश्वधालय की सिंडीकेट के सदस्य थे ग्रीर ग्रन्नमले विश्वविद्यालय के उपकुलपति भी रहें ।

सन् 1948 में सेवा निवृत्त होने पर वे मद्रास के मेयर बने भ्रौर बाद में सन् 1952 से 12 वर्ष तक मद्रास विधान परिषद् के भ्रध्यक्ष रहें। 14 नवम्बर, 1964 को उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

डा० चेरीयन को पोप द्वारा 'वि नाइट श्राफ सेंट ग्रेगारी दि ग्रेट' की महत्वपूर्ण उपाधि से विभूषित किया गया था । वे उदार सांस्कृतिक मान्यताश्रों, विविध श्रभिरिचियों, श्रलक्य सामाजिक गणों से युक्त मिलनसार श्रौर श्राकर्षक व्यक्तिस्य वाले व्यक्ति थे । उनकी मृत्य से देश को ऐसी क्षति हुई है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती ।

ल०प्र० सिंह, सचिव।